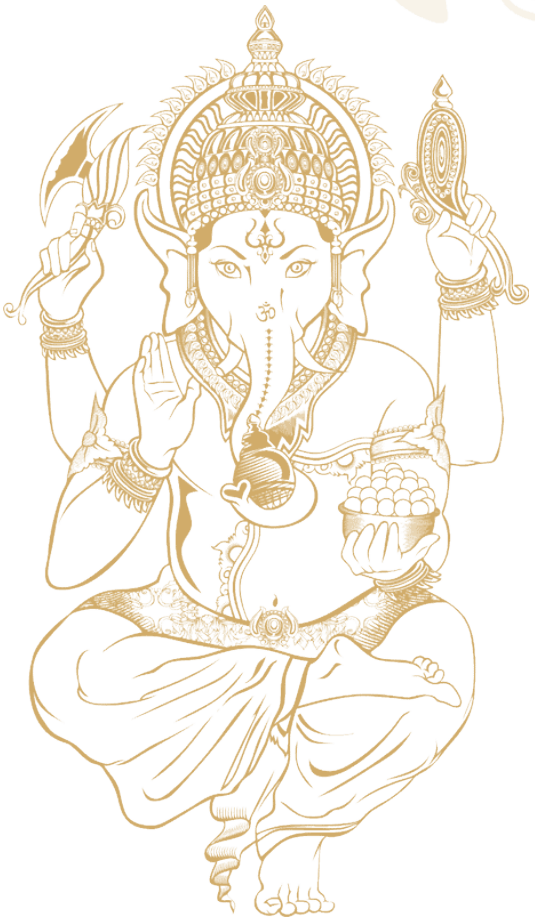

Mr.nirmal kumar sharma

Ms.shubhnagi sharma

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120640806

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
11/04/2001	जन्म तिथि	19/03/2004
बुधवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 12:25:00	जन्म समय	20:40:00 घंटे
घटी 15:48:52	जन्म समय(घटी)	35:25:36 घटी
India	देश	India
Lalsot	स्थान	Lalsot
26:31:00 उत्तर	अक्षांश	26:31:00 उत्तर
76:22:00 पूर्व	रेखांश	76:22:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:24:32	स्थानिक संस्कार	-00:24:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:05:27	सूर्योदय	06:29:45
18:46:13	सूर्यास्त	18:35:10
23:52:12	चित्रपक्षीय अयनांश	23:54:46

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 12वर्ष 6मा 23दि		04:26:51	कर्क	लग्न	तुला	04:00:56	राहु 0वर्ष 9मा 13दि	
बुध		27:34:44	मीन	सूर्य	मीन	05:26:21	शनि	
03/11/2013		07:50:59	वृश्चि	चंद्र	कुंभ	19:25:01	01/01/2021	
03/11/2030		00:13:47	धनु	मंगल	वृष	05:00:23	02/01/2040	
बुध	01/04/2016	15:07:07	मीन	बुध	मीन	19:49:46	शनि	05/01/2024
केतु	29/03/2017	15:37:43	वृष	गुरु व	सिंह	18:05:22	बुध	14/09/2026
शुक्र	28/01/2020	09:11:34	मीन व	शुक्र	मेष	21:05:19	केतु	24/10/2027
सूर्य	03/12/2020	05:01:05	वृष	शनि	मिथु	12:30:22	शुक्र	23/12/2030
चन्द्र	05/05/2022	15:40:18	मिथु व	राहु व	मेष	18:01:32	सूर्य	05/12/2031
मंगल	02/05/2023	15:40:18	धनु व	केतु व	तुला	18:01:32	चन्द्र	06/07/2033
राहु	18/11/2025	00:02:13	कुंभ	हर्ष	कुंभ	10:21:53	मंगल	14/08/2034
गुरु	24/02/2028	14:40:00	मक	नेप	मक	20:34:21	राहु	20/06/2037
शनि	03/11/2030	21:14:58	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	28:19:37	गुरु	02/01/2040

लग्न-चलित

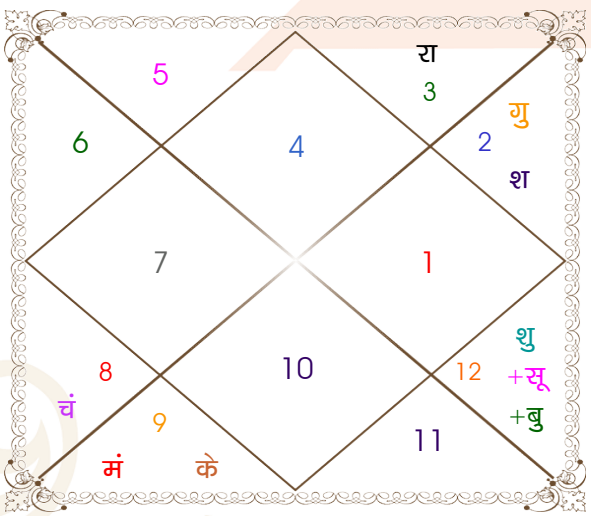

लग्न-चलित

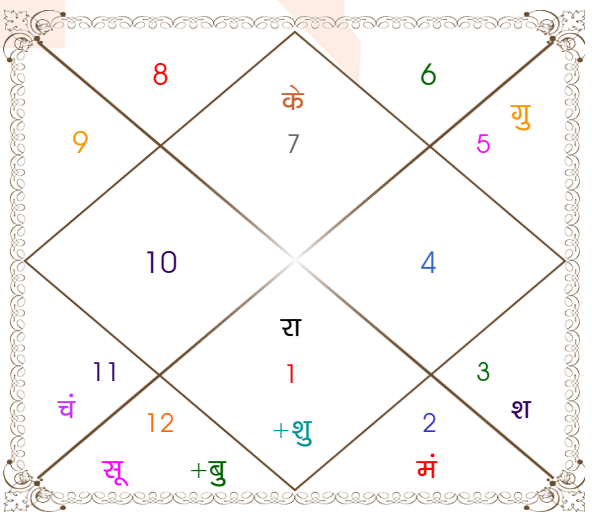

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	अश्व	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.00		

डतण्दपतउंस ़िनउंत ॅीतउं का वर्ग सर्प है तथा डेॅीनड़ीदंहप ॅीतउं का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्दपतउंस ़िनउंत ॅीतउं और डेॅीनड़ीदंहप ॅीतउं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्दपतउंस ़िनउंत ॅीतउं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

डेॅीनड़ीदंहप ॅीतउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डतण्दपतउंस ़िनउंत ॅीतउं कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्दपतउंस ़िनउंत ॅीतउं तथा डेॅीनड़ीदंहप ॅीतउं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।